अध्याय-XI :पोत परिवहन मंत्रालय

प्रकाशस्तंभ एवं प्रकाशपोत निदेशालय

11.1 सुनामी से अब तक अं.सा.स्थि.नि.प्र.की पुनः स्थापना न करना तथा ₹ 75.14 लाख का निष्फल व्यय

विभाग द्वारा त्रूटिपूर्ण योजना के कारण सुनामी के आठ वर्षों के पश्चात भी आवश्यक मार्गनिर्देशन सहायता को पुनःस्थापित नहीं किया जा सका था जो आगे दिसंबर 2006 में उपकरण, जिसे अभी तक स्थापित नहीं किया गया था, की खरीद पर ₹ 75.14 लाख के निष्फल व्यय का कारण बना[#]

दिसम्बर 2004 के भूकंप तथा सूनामी ने कैम्पल बे, अण्ड़मान एवं निकोबार द्वीपसमूह में इंदिरा पाईंट प्रकाशस्तंभ पर स्थापित अंतरीय सार्वभौमिक स्थिति निर्धारण प्रणाली (अं.सा.स्थि.नि.प्र.), जिसने आवश्यक मार्गनिर्देशन सहायता के रूप में कार्य किया। इस स्टेशन की पुनःस्थापना के लिए, पोतपरिवहन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (पो.स.प.रा.मं.) ने नवम्बर 2005 में ₹83.50 लाख[*] की पुरानी स्वीकृति दर पर एक फर्म को अं.सा.स्थि.नि.प्र. उपकरण की आपूर्ति, स्थापना तथा चालू करने हेतु इस अनुबंध के साथ आदेश दिया कि 13 महीनों अर्थात दिसंबर 2006 के भीतर उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना तथा चालू किया जायेगा। उपकरण, जिनकी जीवन-अवधि 10 वर्षों की है, की फर्म द्वारा निर्धारित समय अर्थात दिसंबर 2006 के भीतर आपूर्ति कर दी गई थी। ₹ 75.14 लाख की 90 *प्रतिशत* राशि का भुगतान आपूर्तिकर्ता को मार्च 2007 में किया गया था।

इसी बीच, मार्गनिर्देशन सहायता की पुनःस्थापना हेतु अण्ड़मान एवं निकोबार प्रशासन (प्रशासन) ने, मार्च 2005 में किये गये अनुरोध के आधार पर, निदेशक प्रकाशस्तंभ एवं प्रकाशपोत, पोर्ट ब्लेयर, (नि.प्र.प्र.) को कैम्पल बे में एक हैक्टर भूमि आबंटित की जिसे अगस्त 2006 में अधिकार में लिया गया था। तथापि, नि.प्र.प्र. ने पाया कि भूमि उनकी आवश्यकता के लिये अनुपयुक्त थी क्योंकि यह समुद्र से 60 मीटर की दूरी तथा लगभग समुद्र के स्तर पर थी तथा लगभग 30 मीटर ऊँचाई के पहाड़ के सामने थी जो अं.सा.स्थि.नि.प्र.सिग्नलों के संचारण में बाधा डालेगी। नि.प्र.प्र. ने प्रशासन को वायु में 360° परिधि के बिना बाधा वाले अधिक ऊँचे स्थान पर भूमि के पुनः आबंटन हेतु अनुरोध किया। नि.प्र.प्र.तथा प्रशासन के बीच लम्बे पत्राचार के पश्चात सितम्बर 2007 में भूमि

[*] केवल अं.सा.स्थि.नि.प्र. उपकरण की लागत

आबंटित की गई थी तथा निदेशालय द्वारा जनवरी 2008 में अधिकार में ली गई थी। अगस्त 2008 में, वन्य अनुमति तथा भू-तकनीकी उप-मृदा जांच के पश्चात ₹ 1.92 करोड़ के कैम्पल बे में अं.सा.स्थि.नि.प्र.स्टेशन की स्थापना, कैम्पल बे में स्टाफ क्वार्टरों, निरीक्षण क्वार्टरों तथा तकनीकी भवनों का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया था। निर्माण का कार्य समाप्त हो गया था तथा दिसम्बर 2012 में कैम्पल बे में अं.सा.स्थि.नि.प्र.को ट्रायल आधार पर स्थापित कर दिया गया है। तथापि, अं.सा.स्थि.नि.प्र. अभी तक भी चालू नही किया गया है।

लेखापरीक्षा ने पाया किः

- अं.सा.स्थि.नि.प्र.उपकरण अनुमानित थे तथा उचित भूमि की उपलब्धता से पहले सुपूदर्गी ली थी ।.
- अं.सा.स्थि.नि.प्र. पोर्ट ब्लेयर में पड़ी थी । इसे लेखापरीक्षा द्वारा यह इंगित किए जाने पर कि उपकरण पोर्ट ब्लेयर में व्यर्थ पड़ा था,के पश्चात केवल अक्तूबर 2012 में जाकर ही कैम्पल बे भेजा गया था ।
- यहां तक की स्थापना तथा ट्रायल रन से पहले ही अं.सा.स्थि.नि.प्र.की वारंटी समाप्त हो चुकी थी।

इस प्रकार, दिसबंर 2006 में प्रापण की गई तथा 10 वर्षों की जीवन अवधि वाली एक महत्वपूर्ण मार्गनिर्देशन सहायता को स्थल चयन तथा निर्माण में विलम्ब के कारण 6 वर्षों के पश्चात ही स्थापित किया गया था। उपकरण पहले ही अपनी 60% जीवन अवधि खो चुका था। इसके अतिरिक्त, दिसम्बर 2004 से आवश्यक मार्गनिर्देशन सहायता की पुनःस्थापना का मुख्य उदेश्य विफल था।

प्रकाशस्तम्भ एवं प्रकाशपोत महानिदेशालय, नौएडा (प्र.प्र.म.नि.) ने अपने उत्तर में बताया (मई 2013) कि क्षेत्र में सुनामी के कारण हानियाँ विशाल तथा अपूर्व थी जिसकी योजना के समय लगभग कल्पना नहीं की गई थी। तथापि, तथ्य यह है कि अं.सा.स्थि.नि.प्र. हेतु आदेश नवम्बर 2005 में, सुनामी आने के लगभग एक वर्ष पश्चात दिया गया था। इस प्रकार प्र.प्र.म.नि. के पास सुनामी द्वारा क्षेत्र में हुई हानि की सीमा का निर्धारण करने तथा तदनुसार योजना तैयार करने हेतु पर्याप्त समय था। उत्तर ने यह भी बताया गया कि आबंटित भूमि में "अकल्पनीय विकास" अपेक्षित था, पर्यावरणीय प्रतिबंधों/बाधाओं के कारण पहुंच सड़क नहीं बनाई जा सकी, वन अनुमति अपेक्षित थी, जिसका परिणाम असामान्य विलम्ब तथा पहुँच सड़क को अभी तक वाहन योग्य नहीं बनाये जा सकने में हुआ तथा इसलिए 24X7 परिचालन को सुनिश्चित करने हेतु अपेक्षित डीजल जनरेटर सेटों को केवल अब ले जाया जा सका था। उत्तर ने स्वंय

दर्शाया कि विभाग ने विभिन्न अन्य वास्तविकताओं जो अं.सा.स्थि.नि.प्र.स्टेशन के निर्माण में देरी कर सकते हैं, को ध्यान में रखे बिना अं.सा.स्थि.नि.प्र.का प्रापण किया था[$].

इस प्रकार, विभाग द्वारा त्रूटिपूर्ण योजना के कारण सुनामी के आठ वर्षों के पश्चात भी आवश्यक मार्गनिर्देशन सहायता को पुनःस्थापित नहीं किया जा सका था जो आगे दिसम्बर 2006 में उपकरण, जो अपनी 60 *प्रतिशत* जीवन अवधि के लिए व्यर्थ रहा तथा अभी तक चालू नहीं किया गया है, की खरीद पर ₹75.14 लाख के निष्फल व्यय का कारण बना।

मामला अप्रैल 2013 में मंत्रालय को सूचित किया गया था; उनका उत्तर जून 2013 तक प्रतिक्षित था।